

बिहार में वाक्साइड और माइका का उत्पादन

467. श्री कैलाशपति मिश्र : क्या इस्पात और खान मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) देश में वाक्साइड (एल्यू-मिनियम) और माइका (अवरक) के कुल उत्पादन का कितना भाग बिहार में प्राप्त होता है ;

(ख) सरकार ने बिहार में वाक्साइड और माइका पर आधारित उद्योग स्थापित करने के लिए अब तक क्या कदम उठाए हैं ;

(ग) इस संबंध में व्यौरा क्या है ; और

(घ) यदि अब तक कोई कदम नहीं उठाए गए हैं, तो उसके क्या कारण हैं ?

इस्पात और खान मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री एन० के० पी० साल्वे ) :  
(क) 1983 के दौरान बिहार में वाक्साइड तथा अभ्रक का उत्पादन और अखिल भारतीय उत्पादन पर उसका प्रतिशत नीचे दिया गया है :—

खनिज	1983 में उत्पादन (टनों में)	अखिल भारतीय उत्पादन पर प्रतिशत
वाक्साइड	5,90,000	30.6
क्रुड अभ्रक	4,688	59.5
वेस्ट एवं स्क्रेप अभ्रक	3,453	65.5

(ख और ग) भारतीय खान व्यूरों में सुशुभ जानकारी के अनुसार, वाक्साइड

पर आधारित 7,500 टन वार्षिक क्षमता वाला एक एल्यूमिना संयंत्र तथा कुल 6,900 टन क्षमता के दो फेरिक एल्यूमिना संयंत्र हैं ।

जहाँ तक अभ्रक आधारित उद्योग का संबंध है झुमरी तलैया में एक भाइ-क्रोनाइलड माइका पाउडर प्लांट तथा गिरडीह में एक माइका कैपेसीटर कार-खाना पहले ही स्थापित हो चुका है इसके अलावा झुमरी तलैया में एक और माइका पेपर प्रोजेक्ट की स्थापना के बारे में विचार किया जा रहा है ।

(घ) सवाल नहीं उठता ।

जनगणना विभाग, बिहार के छंटनी किए गए कर्मचारी

468. श्री कैलाशपति मिश्र : क्या गृह मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) 20 फरवरी, 1984 को जिन जनगणना कर्मचारियों को छंटनी की गयी थी उनमें ऐसे कर्मचारियों की संख्या कितनी है जिन्होंने जनगणना विभाग बिहार में कम से कम तीन वर्ष तक सेवा की है ;

(ख) उनमें से ऐसे कर्मचारियों की संख्या कितनी है, जिनकी सरकारी सेवा में भर्ती के लिए आयु सीमा समाप्त हो गई है ; और

(ग) क्या सरकार का उन कर्मचारियों को स्थायी करने का विचार है, जिन्होंने तीन वर्ष की सेवा पूरी कर ली है और क्या सरकार विशेषतः उन लोगों के लिए जिन्होंने यह सीमा पार कर ली है, निर्धारित आयु सीमा को बढ़ाने का विचार रखती है ?